50 हजार रुपये की सागौन की लकड़ी बरामद

सिलवानी पड़ान में वन विभाग की छापामार कार्रवाई

सिलवानी, 2 फरवरी. सोमवार को वन मंडल अधिकारी (सामान्य) रायसेन प्रतिभा शुक्ला एवं उप वन मंडल अधिकारी (सामान्य) सिलवानी इंदर सिंह बारे के निर्देशन में वन परिक्षेत्र पश्चिम सिलवानी के अंतर्गत ग्राम पड़ान में छापामार कार्रवाई की गई. यह कार्रवाई वन परिक्षेत्र अधिकारी महेन्द्र कुमार पालेचा के मार्गदर्शन में की गई.

मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि नगर के पड़ान में अवैध रूप से सागौन इमारती वनोपज का संग्रहण किया गया है. सूचना की तस्दीक हेतु रेंजर महेन्द्र कुमार पालेचा द्वारा दल-बल के साथ मुजाहिद हुसैन पिता जाहिद हुसैन, निवासी पड़ान के घर पर दबिश दी गई.

दबिश के दौरान तलाशी में आरोपी के घर से 13 नग सागौन इमारती लकड़ी बरामद की गई, जो वन क्षेत्र से अवैध रूप से काटकर लाई गई थी. जब्त की गई सागौन लकड़ी ताजी एवं गीली पाई गई.

मौके पर माप के दौरान लकड़ी की मात्रा 0.527 घन मीटर पाई गई, जिसका बाजार मूल्य लगभग 50 हजार रुपये आंका गया है. वन विभाग द्वारा आरोपी मुजाहिद हुसैन के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 47372/18 पंजीबद्ध किया गया है. मामले में आगे की जांच कार्रवाई जारी है.

इस कार्रवाई में रेंजर महेन्द्र कुमार पालेचा, उप वनक्षेत्रपाल लालसिंह धुर्वे, गोबर्धन जाटव, वन रक्षक हरनारायण सिंह, सीता धुर्वे, अजय राठौर, योगेश भल्लावी, सुरक्षा श्रमिक धर्मेन्द्र लोधी सहित सहयोगी दल दाऊद वेग, नाथूराम, गोकल एवं भरत का विशेष योगदान रहा.

मतदाताओं को नोटिस देने 15 दिन का समय दिया जाए

- बीएलओ ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

सिलवानी, 2 फरवरी. बीएलओ बूथ लेवल अधिकारी की विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर सोमवार को तहसील अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी हर्षल चौधरी को बीएलओ की ओर से एक ज्ञापन सौंपा गया.

ज्ञापन में बताया गया कि हियरिंग फोटो एवं अटेंडेंस जैसी प्रक्रिया बीएलओ ऐप में दर्शित हो रही है, लेकिन इसके संबंध में बीएलओ को कोई विधिवत प्रशिक्षण नहीं दिया गया है. साथ ही तामीलीकरण के लिए किसी प्रकार का नोटिस भी प्राप्त नहीं हुआ है. ऐसे में सभी बीएलओ को मतदाताओं के नाम सहित पर्याप्त संख्या में हार्ड कॉपी नोटिस उपलब्ध कराए जाने की मांग की गई है. बीएलओ ने प्रत्येक मतदाता को नोटिस प्रदान करने के लिए कम से कम 15 दिवस का समय दिए जाने की मांग की है, ताकि कार्य सुचारु रूप से पूर्ण किया जा सके. इसके साथ ही बीएलओ को ई-अटेंडेंस एवं शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखने तथा इस संबंध में वरिष्ठ कार्यालय से विधिवत आदेश जारी किए जाने की मांग भी की गई है. ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि बीएलओ को देय मानदेय एवं स्टेशनरी की राशि का भुगतान शीघ्र किया जाए. बार-बार एक ही कार्य मतदाताओं से कराए जाने के कारण मतदाता परेशान हो रहे हैं, जिससे कई बार बीएलओ को असहज एवं अप्रत्याशित व्यवहार का सामना करना पड़ता है. बीएलओ ने प्रशासन से उक्त सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किए जाने की मांग की है.

एक नजर में

विज्ञान संचार सम्मानों से नवाज़े जाएंगे वैज्ञानिक व कथाकार

भोपाल, 2 फरवरी. रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) के सर सी.वी. रामन विज्ञान संचार केंद्र द्वारा सोमवार को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले विज्ञान संचार सम्मानों की घोषणा की गई है. चार श्रेणी में प्रदान किए जाने वाले सम्मानों में डॉ. मनोज पटैरिया को 'सर सी.वी.रामन विज्ञान संचारक सम्मान', डॉ. मनीष मोहन गोरे को 'सर सी.वी.रामन विज्ञान कथा सम्मान', समीर गांगुली को 'सर सी.वी.रामन बाल विज्ञान कथा सम्मान' और डॉ. प्रदीप मिश्र को 'सर सी.वी.रामन विज्ञान कविता सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा. 6 फरवरी को रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में विज्ञान पर्व के तहत आयोजन में सम्मानित किया जाएगा. सम्मानित वैज्ञानिक रचनाकारों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि 21,000 हजार रुपये प्रदान की जायेगी. रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि सी.वी.रामन विज्ञान संचार केंद्र विज्ञान का व्यापक प्रसार-प्रसार और संचार करता रहा है. विज्ञान का सरलीकरण भी इस केन्द्र का ध्येय रहा है जिसमें जन सामान्य तक पहुँचकर उन्हें जागरुक करना, अंधविश्वास के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना, विज्ञान पुस्तकों का प्रकाशन करना जैसे उपक्रम शामिल हैं. मैं पुरस्कार के लिए चयनित इन सभी वैज्ञानिकों को बधाई देता हूं, उन्होंने विज्ञान संचार के लिए देश और अन्य देशों में महत्वपूर्ण काम किया है.

आरएनटीयू के विज्ञान संचार केंद्र ने की सम्मानों की घोषणा

डॉ. मनोज पटैरिया देश के ख्यात वैज्ञानिक और विज्ञान संचारक हैं उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा दूरदर्शन में अपनी सेवाएं देते हुए विज्ञान के जन-जन तक संचार हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

डॉ. मनीष मोहन गोरे महत्वपूर्ण विज्ञान कथाकार और वैज्ञानिक हैं. गत वर्ष प्रकाशित उनका विज्ञान कथा संग्रह 'तीन सौ पच्चीस साल का आदमी' पर्याप्त चर्चित हुआ है.

समीर गांगुली बाल विज्ञान कथा सम्मान से सम्मानित हैं. उन्होंने 22 से अधिक बाल उपयोगी विज्ञान कृतियों की रचना की है.

डॉ. प्रदीप मिश्र, परमाणु ऊर्जा विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी 'एफ' हैं और साथ ही हिन्दी साहित्य में उनका उल्लेखनीय नाम हैं. उनका एक वैज्ञानिक उपन्यास 'अंतरिक्ष नगर' काफी चर्चित हुआ है.

प्रदेश में ही हो सकेगा गंभीर फेफड़ों की बीमारियों का इलाज

भोपाल, 2 फरवरी. प्रदेश के मरीजों को गंभीर फेफड़ों की बीमारियों के इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। क्योंकि एम्स भोपाल ने प्रदेश में पहली बार फेफड़ों से जुड़ी दो अत्यंत जटिल और उन्नत चिकित्सा प्रक्रिया पूरी कर मरीज को जीवन की नई राह दिखलाई है. जिसके बाद गंभीर फेफड़ों की बीमारियों के लिये अब मरीजों को परेशान नहीं होना पड़ेगा.

एम्स में फेफड़ों के दो जटिल इलाज से मरीजों को नई सांस

पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के डॉ अभिनव चौबे, असिस्टेंट प्रोफेसर और डॉ अल्केश खुराना प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के नेतृत्व में दोनों जटिल इलाज को पूरा किया। एक ऐसा मरीज जो एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित था। जिससे फेफड़ों की वायु थैलियों में गाढ़ा पदार्थ भर जाता है इस कारण मरीज को सांस लेने में अत्यधिक परेशानी होने लगती है जिससे शरीर में ऑक्सीजन का स्तर खतरनाक रूप से गिर जाता है। पल्मोनरी मेडिसिन विभाग की टीम ने इस मरीज का इलाज होल लंग लैवेज नामक विशेष तकनीक से किया। जिसके तहत प्रक्रिया में पूरे फेफड़ों को सावधानीपूर्वक साफ किया गया। जिसके बाद मरीज की सांस लेने की क्षमता में सुधार हुआ और ऑक्सीजन स्तर भी सामान्य होने लगा। इस जटिल प्रक्रिया को सुरक्षित रूप से पूरा करने में एनेस्थीसिया और सीटीवीएस विभाग की टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह एक चिकित्सीय प्रक्रिया है जिसका उपयोग फेफड़ों में जमा प्रोटीनयुक्त पदार्थ को धोकर बाहर निकाला जाता है। कैंसर से पीड़ित एक मरीज जिसके मुख्य वायुमार्ग में ट्यूमर के कारण पूरी तरह अवरोध हो गया था। इसके चलते एक फेफड़ा लगभग काम करना बंद कर चुका था और मरीज को गंभीर सांस की तकलीफ हो रही थी। चिकित्सकों की टीम ने ब्रोंकोस्कोपिक डिबल्किंग तकनीक से ट्यूमर को हटाया और इसके बाद श्वसन मार्ग को खोलने के लिए वाई आकार के विशेष मेटल स्टेंट का प्रत्यारोपण किया। इस उपचार के बाद मरीज को तुरंत सांस लेने में राहत मिली और प्रभावित फेफड़ा दोबारा कार्य करने लगा।

क्या है ब्रोंकोस्कोपिक डिबल्किंग तकनीक

यह कम चीर-फाड़ वाली चिकित्सीय प्रक्रिया है, जिसका उपयोग सांस की नली को अवरुद्ध करने वाले ट्यूमर को हटाने या उनका आकार कम करने के लिए किया जाता है।

जो सदाचारी होता है, वही भगवान को प्रिय : पं. शास्त्री

श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्म प्रसंग का वर्णन

सिलवानी, 2 फरवरी. अंचल के ग्राम कला पठा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठा. कथा वाचक पंडित रेवा शंकर शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का सजीव और भावपूर्ण वर्णन किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जो सदाचारी होता है, वही भगवान को प्रिय होता है. कथा श्रवण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और कृष्ण जन्मोत्सव को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया.

कथा के दौरान पंडित शास्त्री ने बताया कि द्वापर युग में अत्याचारी राजा कंस को एक भविष्यवाणी हुई थी कि उसकी बहन देवकी की आठवीं संतान उसका काल बनेगी. इसी भय से कंस ने अपनी ही बहन देवकी और उनके पति वासुदेव को कारागार में बंद कर दिया और एक-एक कर उनकी संतान का वध करता रहा. जब अष्टमी की मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का अवतार हुआ, तब कारागार का वातावरण चमत्कारी रूप से परिवर्तित हो गया. स्वयं भगवान के प्राकट्य से कारागार के द्वार अपने आप खुल गए, पहरेदार गहरी निद्रा में सो गए और चारों ओर दिव्यता का संचार हो गया.

> कथा के दौरान पंडित रेवा शंकर शास्त्री ने श्रद्धालुओं को यह संदेश दिया कि ईश्वर की दृष्टि से कोई भी कर्म छिपा नहीं रहता. उन्होंने कहा कि ईश्वर की आंखों में संसार की प्रत्येक घटना कैद हो रही है, इसलिए मनुष्य को पाप करने से सदैव डरना चाहिए और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए. सदाचारी जीवन ही मानव को ईश्वर के निकट ले जाता है. कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर भक्तों ने भजन-कीर्तन किए, जयकारों से वातावरण गूंज उठा और संपूर्ण ग्राम में उत्सव जैसा माहौल रहा. कथा आयोजन से ग्रामवासियों में धर्म, भक्ति और संस्कारों के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ. श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया, जिससे समाज में सद्भाव, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना को बल मिला.

शास्त्री ने कृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान के अवतरण के समय प्रकृति भी आनंदित हो उठी. वासुदेव जी ने नवजात शिशु श्रीकृष्ण को टोकरी में रखकर यमुना पार करने का निर्णय लिया. उस समय घनघोर वर्षा हो रही थी, यमुना उफान पर थी, लेकिन जैसे ही वासुदेव जी यमुना तट पर पहुंचे, यमुना माता ने स्वयं भगवान के चरणों का स्पर्श कर मार्ग प्रदान किया. यमुना का जल घट गया और वासुदेव सुरक्षित रूप से गोकुल पहुंच गए.

गोकुल पहुंचकर वासुदेव जी ने भगवान श्रीकृष्ण को नंद बाबा और माता यशोदा के घर पहुंचाया और वहां जन्मी कन्या को लेकर पुनः मथुरा कारागार लौट आए. जब कंस ने उस कन्या को मारना चाहा, तो वह देवी रूप में आकाश में प्रकट होकर बोली कि हे कंस, तुझे मारने वाला गोकुल में जन्म ले चुका है. यह सुनकर कंस भयभीत हो गया, किंतु उसका अंत निश्चित था.

मौसमी बुखार से रहें सतर्क, संक्रमित व्यक्ति से बनाएं दूरी

भोपाल. अस्पतालों में मौसमी बुखार के मरीजों की संख्या भी बढ़ती जा रही है. जेपी जिला अस्पताल, हमीदिया और एम्स जैसे अस्पतालों में भी ओपीडी में बुखार से संक्रमित मरीजों की गिनती में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. डॉक्टरों के अनुसार हर बदलते मौसम में वायरल फीवर की समस्या लोगों में बढ़ती है. इस सीजनल बुखार में मरीज के गले में इंफेक्शन, खांसी, लंग्स के ऊपरी हिस्से में संक्रमण के साथ उल्टी जैसे कई लक्षण दिखाई पड़ते हैं. इसके साथ ही शरीर का तापमान कई बार अधिकतम अधिक हो जाता है, तो कुछ व्यक्तियों में यह सामान्यतः 100 डिग्री टेम्प्रेचर के साथ कई दिनों तक बना रहता है,

अस्थमा के मरीज रखें अधिक ध्यान

अस्थमा के मरीजों को ऐसे बुखार में अधिक ध्यान रखने की जरुरत होती है क्योंकि उनमें पहले से सांस की समस्या होती है. आम तौर पर समय से इलाज लेने पर 5 से 7 दिन में बुखार पूरी तरह से ठीक हो जाता है. ऐसे में मरीज को ठंड से बचना चाहिए. पानी का भाप और गरारे करना चाहिए और दवाओं की डोज पूरी लेनी चाहिए.

-डॉ. एस एन तिवारी, जेपी अस्पताल, भोपाल

भोजपुर में 21 फीट ऊंचे शिवलिंग से प्रवाहित होगा गंगाजल

भोपाल, 2 फरवरी. शहर में महाशिवरात्रि पर्व की जोरशोर से तैयारी शुरू हो गई है. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा भोजपुर में 23 वां विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर भोजपुर में भंडारे के दौरान

21 फीट ऊंचे शिवलिंग पर पवित्र गंगाजल निरंतर प्रवाहित होगा. उन्होंने बताया कि मंडल के सदस्यों की बैठक तुरंत महादेव मंदिर इंद्रपुरी में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भंडारे में एक लाख 21 हजार भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा, जिसमें साबूदाने की खीर, साबूदाने की खिचड़ी, साबूदाने के बड़े, आलू चाट, फल, चाय शामिल है. साथ ही जिन भक्तों का व्रत नहीं होगा, उनके लिए स्पेशल कढ़ी चावल की व्यवस्था की जाएगी. बैठक के पूर्व पंडित गिरीश मिश्रा द्वारा भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन विधि विधान से कराया गया. बैठक में मंडल द्वारा दो नवनियुक्त संरक्षक रामजीत गुप्ता एवं एल आर पटेल एवं बैठक में उपस्थित मातृशक्तियों को चुनरी पहना कर सम्मानित किया गया.

युवाओं ने संभाली जल संरक्षण की कमान

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 फरवरी. तालाब प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं जिनका संरक्षण भविष्य के लिए आवश्यक है, यह संदेश सोमवार को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इंडिया मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय भोपाल द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दिया गया. कार्यक्रम के तहत पर्यावरण परिसर और उसके आसपास स्थित शाहपुर तालाब क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस दौरान प्लास्टिक कांच सहित अन्य कचरे को एकत्र कर नगर निगम को सौंपा गया.

स्वच्छता अभियान के बाद प्रतिभागियों ने पर्यावरण परिसर ई पांच अरेरा कॉलोनी के बाहर मुख्य मार्ग पर स्लोगन प्ले कार्ड के साथ राहगीरों को जागरुक किया. इसके बाद कार्यालय परिसर में सांप सीढ़ी के रूप में तैयार किए गए खेलों के माध्यम से प्रतिभागियों को समझाया गया कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर रहना और उसके घटकों का संरक्षण मानव जीवन के लिए कितना आवश्यक है. इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ प्रेम श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को वेटलैंड के महत्व से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि यदि युवा आगे आकर तालाबों, पोखरों, नदियों और उनसे जुड़े वेटलैंड का संरक्षण करें तो जलीय जैव विविधता सुरक्षित रहेगी. जो प्राकृतिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है. कार्यक्रम में लगभग 70 प्रतिभागियों ने सहभागिता की. इनमें वीएनएस महाविद्यालय, सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, आईईएस विश्वविद्यालय, आनंद विहार कन्या महाविद्यालय, एलएनसीटी और जेएनसीटी महाविद्यालय के विद्यार्थी शामिल रहे.

नवयुवक मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव में महाकाल परिवर्तन ने दर्ज की जीत

भोपाल. नवयुवक मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव में महाकाल परिवर्तन पैनल के 21 प्रत्याशियों में से 20 प्रत्याशी भारी मतों से विजयी हुए. जबकि एमकेवायसी पैनल का मात्र एक प्रत्याशी ही सफल हो सका. चुनाव के बाद निर्वाचित प्रत्याशियों की सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसको लेकर चुनाव अधिकारी संजय साहू और सह-चुनाव अधिकारी राजकुमार साहू ने बताया कि सभी सदस्यों की सहमति से राहुल साहू को नवयुवक मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं नवगठित कार्यकारिणी में संयोजक सौरभ साहू ,अध्यक्ष राहुल साहू, उपाध्यक्ष लोकेश साहू महामंत्री ऋषभ साहू, कोषाध्यक्ष डॉ.आनंद साहू, उप महामंत्री आकाश साहू संगठन मंत्री सौरभ साहू, सांस्कृतिक एवं खेल सचिव आलोक साहू,प्रचार सचिव आदित्य साहू कार्यालय मंत्री शरद साहू को दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी सदस्य आकाश भगवानदास साहू, विकास साहू, ऋतिक बसंत साहू, रोहित राजकुमार साहू, नरेंद्र साहू प्रशांत साहू, निहाल साहू को बनाया गया.

कार्यक्रम बेगमगंज में धूमधाम से मनाई संत रविदास जयंती

बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का लिया संकल्प

बेगमगंज, 2 फरवरी. संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज की 649 वीं जन्म जयंती टेकरी मांगलिक भवन, बेगमगंज में हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई. इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में गुरु रविदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा-अर्चना, आरती के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ.

मुख्य अतिथि सीमा चौधरी के द्वारा उनके प्रेरणादायी जीवन, भक्ति वाणी एवं सामाजिक समरसता के संदेश पर प्रकाश डालते हुए जीवन को सार्थक बनाने के लिए उनके आदर्शों एवं सिद्धांतों का अनुसरण करने की बात कही. अन्य वक्ताओं में वरिष्ठ अतिथियों ने भी स्वजन बंधुओं को सत्य के मार्ग पर चलने, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा बच्चों को शिक्षित बनाने का संकल्प लेने का आग्रह किया. सभी ने मिलकर यह वचन लिया कि नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी.

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बेरखेड़ी सरपंच एवं संत श्री रविदास विश्व महापीठ प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सीमा चौधरी, विशेष अतिथि छात्रावास अधीक्षक परसराम अहिरवार, रमेश अहिरवार (शिक्षक), काशीराम अहिरवार, बिहारी मासाब, पार्षद रवि राज, राजेश झिरिया, पूरन अहिरवार, बद्री भैया, मुन्नालाल सुनेहरा, हीरालाल अहिरवार, सुखदीन रहटवास, आकाश अहिरवार, रामदयाल सागौनी, माधोसिंह विनायकपुर सहित ग्राम कोलूआ, ग्राम मड़देवरा, ग्राम देवलापुर से पधारे सैकड़ो अनुयाइयों ने एवं महिला शक्ति की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. अंत में समापन अवसर पर प्रसादी वितरण किया गया. गुरु रविदास जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में शिक्षा, समानता और भाईचारे का संदेश आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया.

सेवानिवृत्ति पर सम्मान कर दी गई विदाई

उदयपुरा, 2 फरवरी. शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में पुस्तकालय विभाग द्वारा पुस्तकालय में कार्यरत सहयोगी गयाप्रसाद मेहरा का सेवानिवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार आठिया द्वारा आयोजित किया गया. इस सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य अन्नू बड़कुड द्वारा मेहरा को शुभकामनाएं दी गई.

महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका काव्या सिंह द्वारा कार्यक्रम में अपना उद्बोधन दिया. महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार आठिया ने गयाप्रसाद मेहरा के साथ किए गए कार्यों एवं उनके अनुभव पर प्रकाश डाला एवं उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर महाविद्यालय परिवार की तरफ से सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम का मंच संचालन ओ.पी वर्मा द्वारा किया गया. महाविद्यालय के इस कार्यक्रम में मनोज कुमार धुर्वे, नीरज श्रीवास्तव, डॉ. पार्वती वियाग्रे, डॉ.श्याम नेमा, संदीप साहू, नरेश कहार, महाविद्यालय के पूर्व छात्र हल्के वीर, विकास धाकड़, राहुल सेन, योगेश साहू, जयपाल अहिरवार, यश जोशी, अनिमेष सराठे, अभिषेक लोधी, सुभद्रा धानक एवं महाविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं के साथ-साथ श्री महाराज जी के परिवार सदस्यगण मौजूद रहे.